

मेरे श्याम की चौखट पे जो भी झुक जाता है भजन लिरिक्स



मेरे श्याम की चौखट पे,
जो भी झुक जाता है,
जो हार के आता है,
सांवरा उसे जिताता है,
उसका हो जाता है,
मेरे श्याम की चौखट पे।bd।

तर्ज - जब हम जवां होंगे।

अपने भगत को,
हारने नहीं देता है,
हारे हुआ को,
बाहों में भर लेता है,
जब कोई नहीं हो साथ,
साथ उसके हो जाता है,
ये उसे जिताता है,
मेरे श्याम की चौखट पे।bd।

एक कदम जो,
श्याम की ओर बढ़ाओगे,
कदम कदम पर,
श्याम को साथ में पाओगे,
अपने प्रेमी को दुखी,
सांवरा देख ना पाता है,
ये उसे जिताता है,
मेरे श्याम की चौखट पे।bd।

हारने नहीं देगा,
ये तुझको दावा है,
हर पल होगा साथ,
श्याम का वादा है,
'राज मित्तल' सांवरे को,
भावों से रिझाता है,
ये उसे जिताता है,
मेरे श्याम की चौखट पे।bd।



मेरे श्याम की चौखट पे,
जो भी झुक जाता है,
जो हार के आता है,
सांवरा उसे जिताता है,
उसका हो जाता है,
मेरे श्याम की चौखट पे।

Singer – Aarti Sharma
